श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के बारे में मेरे पास जानकारी नहीं है। मैं आपको मुहैया करवा दूंगा।

श्री सभापति: अगर आप जानकारी लेकर ही हाउस को बताएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जी, सर।

SHRIMATI SYEDA ANWARA TAIMUR: Sir, UGC allocations or funds are only given to the colleges, but so far as my knowledge goes, for teachers' training workshops on various schemes, NGOs are given grants from the Ministry of HRD. Whether the Government utilises them or monitors the utilisation by the NGOs.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जो भी पैसा किसी एनजीओ, यूनिवर्सिटीज या कॉलेज को दिया जाता है, उसकी पूरी मॉनिटरिंग होती है।

Schools for children in handloom industry

*209. SHRIMATI MOHSINA KIDWAI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that children working in the handloom industry and most of the children living in slums doing odd jobs in small shops do not have access to schools;

(b) if so, whether Government have prepared any plan to educate such children and whether Government would implement the scheme of door step schools, or schools on wheels; and

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (c) The Government are aware that, for a variety of reasons, all children of 6 to 14 years of age are not yet enrolled in schools.

The following schemes are being implemented for education of children who cannot, for various reasons, attend regular schools;

(i) Education Guarantee Scheme-Alternative & Innovative Education component of the Sarva Shiksha Abhiyan of the Ministry of Human Resource Development for children living in remote areas, older children, drop outs and working children.

(ii) National Child Labour Projects of the Ministry of Labour which are meant specifically for education of working children. Special schools run under this scheme include, besides Non-formal/formal education, components of stipend, supplementary nutrition, health check up and vocational training.

(iii) Scheme for Welfare of Working Children in need of Care and Protection, of the Ministry of Social Justice & Empowerment.

श्रीमती मोहसिना किदवई: सर, मंत्री जी ने अपने जवाब में सर्व शिक्षा अभियान के तहत जो स्कीमें चल रही हैं, उनका हवाला दिया है। खास तौर से मेरा स्पेसिफिक क्वेश्चन यह था कि जो बच्चे मुखतलिफ ढाबों में काम करते हैं और ज्यादातर बच्चे हैंडलूम इंडस्ट्री में लगे हुए हैं, उनकी पूरे मुल्क में बहुत बड़ी तादाद है, यू॰पी॰ में आन्ध्र प्रदेश में और हिमाचल प्रदेश में। वीवर्स और बुनकरों के बच्चों के इकनोमिक रीजन्स भी होते हैं। जो आठ-दस साल के छोटे-छोटे बच्चे हैं, उनका इस्तेमाल कपड़ा बनाने या खास तौर से जो कारपेट इंडस्ट्री है, उसमें इन बच्चों का बहुत इस्तेमाल होता है।

†محترمہ محسنہ قدوائی: سر، منتری جی نے اپنے جواب میں سروشکشا ابھیان کے تحت جو اسکیمیں چل رہی ہیں ان کا حوالہ دیا ہے۔ خاص طور سے میرا اسپیسفک کوئشچن یہ تھا کہ جو بچے مختلف ڈھابوں میں کام کرتے ہیں اور زیادہ تر بچے ہینڈلوم انڈسٹری میں لگے ہوئے ہیں، ان کی پورے ملک میں بہت بڑی تعداد ہے، یوپی میں آندھرا پردیش میں اور ہماچل پردیش میں۔ ویورس اور بنکروں کے بچوں کے اکانامک ریزن بھی ہوتے ہیں۔ جو آٹھ دس سال کے چھوٹے چھوٹے بچے ہیں ان کا استعمال کپڑا بنانے میں یا خاص طور سے جو کارپیٹ انڈسٹری ہے اس میں ان بچوں کا بہت استعمال ہوتا ہے۔

श्री सभापति: आप क्वेश्चन करिए।

श्रीमती मोहसिना किदवई: इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि आपके सर्व शिक्षा अभियान की बात बहुत अच्छी है, यह स्कीम बहुत अच्छी है, बहुत दिनों के बाद सरकार का ध्यान ऐलिमेंटरी एजुकेशन की ओर गया है, लेकिन क्या उसके तहत working children के लिए कोई खास स्कीम है? मान्यवर, अब working children की भी एक class बनती चली जा रही है। रोज अखबारों में हम पढ़ते हैं कि raids हुए और इतने बच्चों को छुड़ाया गया।

†اس لئے میں مانئے منتری جی سے کہنا چاہتی ہوں کہ آپ کے سروشکشا ابھیان کی بات بہت اچھی ہے، یہ اسکیم

†Transliteration of Urdu Script.

بہت اچھی ہے، بہت دنوں کے بعد سرکار کا ایجوکیشن منسٹری ایجوکیشن کی طرف گیا ہے۔ لیکن کیا اس کے تحت ورکنگ چلڈرن کے لئے کوئی خاص اسکیم ہے؟ مانیور، اب ورکنگ چلڈرن کی بھی ایک کلاس بنتی چلی جارہی ہے۔ روز اخباروں میں ہم پڑھتے ہیں کہ ریڈس ہوئی اور اتنے بچوں کو چھڑایا گیا۔

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी, जहां हम लोग EGS चलाते हैं और सर्व शिक्षा अभियान के तहत ऑल्टरनेटिव रिनोवेटिव एजुकेशन सेंटर्स चलाते हैं, वहीं मिनिस्ट्री ऑफ वैलफेयर के जरिए अब एक खास स्कीम National Child Labour Project चलाई गई है, इसके तहत 21 स्टेट्स में 250 डिस्ट्रिक्ट्स को कवर किया जाएगा। जैसे मिड-डे मील में हम बच्चों के दोपहर के खाने पर प्रत्येक स्टूडेंट पर 2 रुपए 20 पैसे खर्च करते हैं, इसके अंतर्गत हर बच्चे के खाने पर हम प्रतिदिन 5 रुपए खर्च करेंगे और 100 रुपए प्रत्यके बच्चे को हर महीने स्कॉलरशिप की शक्ल में दिए जाएंगे। यह ऐसी स्कीम है, जिसे मिनिस्ट्री ऑफ वैलफेयर ने चलाया है।

श्रीमती मोहसिना किदवई: सभापति जी, मुझे बहुत अफसोस है कि मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मेरा स्पैसिफिक क्वेश्चन है working children के बारे में।

†محترمہ محسنہ قدوائی : سبھاپتی جی، مجھے بہت افسوس ہے کہ میرے سوال کا جواب نہیں آیا۔ میرا اسپیسفک سوال ہے ورکنگ چلڈرن کے بارے میں۔

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: यह working children के लिए ही है, जो कारपेट इंडस्ट्री में, क्रैकर्स इंडस्ट्री में या दूसरी जगहों पर काम करते हैं।

श्रीमती मोहसिना किदवई: मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या माननीय मंत्री जी के पास ऐसे कोई आंकड़े हैं कि मुख्तलिफ जगहों पर जो बच्चे काम करते हैं, ऐसे working children के लिए कितने स्कूल खोले गए है?

†محترمہ محسنہ قدوائی : میں یہ جاننا چاہتی ہوں کہ کیا منتری جی کے پاس ایسے کوئی آنکڑے ہیں کہ مختلف جگہوں پر جو بچے کام کرتے ہیں، ایسے ورکنگ چلڈرن کے لئے کتنے اسکول کھولے گئے ہیں۔

श्री सभापति: ऐसे कोई आंकड़े नहीं होंगे।

श्रीमती मोहसिना किदवई: जो बच्चे economic reasons की वजह से काम करने के लिए मजबूर हैं, उन बच्चों के लिए कोई mobile van हो या कोई स्कूल हो या कोई स्पेशल क्लासेज हों क्या कोई ऐसी स्कीम है?

†محترمہ محسنہ قدوائی : جو بچے اکانامک ریزن کی وجہ سے کام کرنے کے لئے مجبور ہیں، ان بچوں کے لئے کوئی موبائل وین ہو یا کوئی اسکول ہو یا کوئی اسپیشل کورسیز ہوں، کیا ایسی کوئی اسکیم ہے؟

†Transliteration of Urdu Script.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जहां slum area हैं या जहां पर इस तरह के बच्चे रहते हैं या स्ट्रीट बच्चे रहते हैं या बहुत सारी पापुलेशन है, जो ट्रैवल करती रहती है, इन सबके लिए अलग-अलग स्कीमें हैं। यहां तक कि बिहार में ऐसे बच्चे जो चरवाहे का काम करते हैं, उनके लिए भी इंतजाम किया गया है। इसके लिए मुख्तलिफ राज्यों में मुख्तलिफ किस्म के कार्यक्रम चल रहे हैं, ताकि ऐसे बच्चे, जो किसी वजह से स्कूल नहीं जा पाते हैं, उनको वहां पर तालीम दी जा सके और पढ़ाया जा सके।

एक माननीय सदस्य: ये स्ट्रीट बच्चे क्या हैं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: बहुत सारे बच्चे ऐसे हैं जो पेवमेंट पर सोते हैं।

श्री सभापति: नहीं, वे स्ट्रीट बच्चे नहीं कहलाते हैं।

SHRI JESUDASU SEELAM: Sir, will the hon. Minister be kind enough to inform the House whether there is any scheme of running the residential schools for children engaged in hazardous occupations like the one, cited by the hon. Member, and also for children working in handloom industries, especially, the children belonging to the weaver class because they come under the backward classes. Is there any scheme for running residential schools to take care of their overall school requirements, including their food, like you are running for the Scheduled Castes? Can you kindly give the details?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: हमारे मंत्रालय की ओर से ऐसी कोई स्कीम नहीं चलाई जा रही है।

Directions issued to PSUs

*210. SHRI S.S. AHLUWALIA: Will the Minister of HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have issued directions from time to time to the managements of the enterprises in public sector (PSUs);

(b) the number of the directions issued indicating those generally applicable to all PSUs and those specific ones for particular PSUs, PSU-wise, consolidated year-wise since 1998-99 till the 30th June, 2005;

(c) whether any review of such directions has been carried out from time to time especially with a view to distinguish those directions which tend to impinge autonomy of the management with other;